

मतदान के समय मतदाताओं का व्यवहार : एक राजनैतिक विवेचन

डॉ. एस. पी. शुक्ला

शोध-निर्देशक, प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान

आशुतोष पाण्डेय

शोधार्थी, राजनीति विज्ञान

शास. ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा(म.प्र.)

शोध-सारांश-

लोकतंत्र मनुष्यों की समानता को स्वयं सिद्ध मान लेता है और राजनीतिक समानता तभी आ सकती है, जब सभी नागरिकों को मताधिकार दे दिया जाय शासन के कानूनों तथा नीतियों का संबंध सभी लोगों से होता है और जिसका प्रभाव सब पर पड़ता है। उसका निर्णय भी सबके द्वारा ही होना चाहिए। प्रस्तुत शोध पत्र में इन्हीं बिन्दुओं का उल्लेख करने का मुख्य प्रयास है।

मुख्य शब्द :-मतदान, समय, मतदाताओं, व्यवहार, राजनैतिक, अध्ययन आदि।